

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय ने मनाया दूसरा दीक्षांत समारोह

जनधारा समाचार कुमुहारी।

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय कुमुहारी रायपुर ने शनिवार को रायपुर के होटल वेबीलीन कैम्पस में अपना दूसरा दीक्षांत समारोह मनाया। राज्यपाल रमेश डेका कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. डॉ. आर.पी. कौशिक, पूर्व भारतीय राजदूत तुर्कमेनिस्तान, कुलपति प्रो. डॉ. सत्य प्रकाश दुबे, डॉन अकादमिक्स डॉ. के. किराोर कुमार एवं रजिस्ट्रार डॉ. मनीष उपाध्याय, आईसीएफएआई विश्वविद्यालय रायपुर के शारीरिक विकास के सदस्य गणमान्य नारतिक, सातक छात्रों एवं उनके माता-पिता के साथ उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि ने आईसीएफएआई विश्वविद्यालय रायपुर के दूसरे दीक्षांत समारोह में उपस्थित होने का अवसर मिलने पर आभार व्यक्त किया। इंजीनियरिंग, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कला, वाणिज्य और कानून के क्षेत्र में



गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और शिक्षा प्रदान करने के लिए श्री रमेश डेका ने नए सातकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वास्तविक दुनिया में किसी व्यक्ति का प्रदर्शन हमेशा अज्ञित ज्ञान और कौशल का कुशलतापूर्वक उपयोग करने की उसकी क्षमता पर निर्भर करता है। इस अवसर पर आईसीएफएआई विश्वविद्यालय रायपुर ने पेंजी, मुजी और डिप्लोमा छात्रों को लघुगण

400 डिग्री प्रदान की, साथ ही विभिन्न विभागों के मेधावी छात्रों को 21 स्वर्ण पदक और 18 रजत पदक प्रदान किए, जिन्होंने वर्ष 2023-24 में सातक किया है। अपने संबोधन में कुलपति डॉ. सत्य प्रकाश दुबे ने सभी सम्मानित गणमान्य अधीनस्थों को उनकी उपस्थिति के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। इसके अलावा, उन्होंने स्थापना के बाद से विश्वविद्यालय की प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विश्वविद्यालय के डॉन अकादमिक्स डॉ. के. किराोर कुमार ने उद्योग छात्रों को उनकी पेशेवर और राष्ट्रीय भूमिकाओं के लिए अपनी प्रतिक्रिया डिग्री को बनाए रखने की सही प्रतिक्रिया लेने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. मनीष उपाध्याय ने कार्यक्रम में उपस्थित समस्त गणमान्य अधीनस्थों को धन्यवाद दिया और सभी सातक छात्रों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए बधाई दी।

ICFAI University Raipur Hosts 2nd Convocation Ceremony

Raipur (Pune City)

ICFAI University Raipur celebrated its second convocation ceremony today. On this grand occasion, the Honorable Governor of Chhattisgarh, Ramesh Deeka presided over the event as the Chief Guest. The ceremony was an opportunity to honor the university's students of academic excellence, innovation, and leadership in contributing to the field work and industry of the students.

The grand event was presided by Professor (Dr.) R. P. Gaudh-Choudhary and former Indian Ambassador to Tanzania, Professor (Dr.) Suresh Prasad Dubey.

Mr. Choudhary, Dr. R. Kishore Kumar Gaur (Member), Dr. Nandini Kishore Negandhi, members of the governing body, senior dignitaries, graduating students, and their parents.

Addressed by the Chief Guest, Mr. Deeka expressed his gratitude for being part of this significant step for the university. He emphasized the



ICFAI University Raipur was established under Section 32A of the Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act 2009 to promote high-quality education and research in the fields of engineering, science and technology, arts, commerce, and law.

He congratulated the new graduates on their achievements. He remarked that their hard work and perseverance had brought them to this milestone. He urged the students to continue their hard work not only for personal success but also to contribute to the nation's progress and growth. The



Chief Guest added, ICFAI University Raipur is one of the most promising institutions in the country, known for providing quality education across various disciplines. Despite immense challenges, the institution has achieved its current status. He further mentioned that over 400 degrees are conferred in engineering and other courses at the university. He also wished the faculty members for their qualifications and dedication.

Message to Parents and Students: The Governor congratulated the parents for their lifelong sup-

port in their children's educational journey. He remarked that an individual's success in the real world depends on the efficient use of the knowledge and skills they have acquired. He encouraged the students to adopt a continuous learning process. He stated, Education holds significance only when it is applied at the right time and in the right context. The pursuit of knowledge is not just personal growth but also to bring positive change to society and the world.

Deputy and Member, National Council of Educational Research and Training (NCERT) congratulated the graduates to approximately 400

undergraduate and postgraduate students who graduated in the academic years 2023 and 2024. In addition, 21 gold medals and 18 silver medals were presented to students who demonstrated exceptional performance.

Spoken by the Vice-Chancellor: During the convocation ceremony, Professor (Dr.) Suresh Prasad Dubey, the Vice-Chancellor, addressed the graduates to all the attendees present. He highlighted the university's progress since its inception. He stated that the graduates are not merely awarded but also nurtured and empowered by the university to contribute to the nation's development through innovation and service. He said, As you receive your degrees today, it marks not just the end of your academic journey but also the beginning of new responsibilities. It is your duty to use your education for the betterment of society and the nation.

Cloth and 'Vote of Thanks: Dr. R. Kishore Kumar Gaur

and the university's success. He expressed his confidence in the graduates' ability to make a positive impact on the world. He concluded by wishing the graduates a bright and successful future.

The program concluded with the presentation of mementos to the graduates by the Honorable Governor, Professor (Dr.) R. P. Gaudh-Choudhary, and other dignitaries, marking the end of the event.

The convocation ceremony was a historic and memorable event for students, parents, and the university alike.

सीखने के लिए सदैव सतत इच्छा होनी चाहिए : रमेन डेका

राजपुर, राजस्थान: जिला में 1000 छात्रों के लिए पदक प्रदान करने और पत्रिका के लिए श्रेष्ठ एक समूह इनाम देने का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में राज्यपाल ने मेधावी विद्यार्थियों को पदक प्रदान करने का कार्यक्रम आयोजित किया।



राज्यपाल ने मेधावी विद्यार्थियों को पदक प्रदान करने का कार्यक्रम आयोजित किया।

उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए।

आईसीएफआई विवि ने मनाया दूसरा दीक्षांत समारोह

राजपुर, 22 दिसंबर: आईसीएफआई विश्वविद्यालय राजपुर ने शनिवार को राज्यपाल के द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को पदक प्रदान करने का कार्यक्रम आयोजित किया।

उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए।



राज्यपाल ने मेधावी विद्यार्थियों को पदक प्रदान करने का कार्यक्रम आयोजित किया।

राज्यपाल ने मेधावी विद्यार्थियों को पदक प्रदान करने का कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीखने का सतत इच्छा होनी चाहिए।

राज्यपाल ने मेधावी विद्यार्थियों को पदक प्रदान करने का कार्यक्रम आयोजित किया।

राज्यपाल ने मेधावी विद्यार्थियों को पदक प्रदान करने का कार्यक्रम आयोजित किया।

सीखना एक अनंत प्रक्रिया: राज्यपाल

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए रमेन डेका

दुधौली, 21 दिसम्बर (देशबन्धु)। आईसीएफएआई विश्वविद्यालय दुधौली उपपुर ने इतिहास को उपपुर के होटल वेबीलेन कैम्पस में अपना दूसरा दीक्षांत समारोह कराया। छवीसह के सम्पन्न रमेन डेका कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में कुलपति डॉ. आर. पी. चौधरी, पूर्व भारतीय राजदूत तुर्कमेनिस्तान, कुलपति डॉ. डॉ. सात प्रकाश दुबे, डॉन अकादमिका डॉ. के. विश्वेश कुमार एवं एच. विन्स्टार डॉ. मनीष उपाध्याय, आईसीएफएआई विश्वविद्यालय दुधौली के इसी विभाग के अध्यक्ष गणपत गार्गीक, सचिव छात्री एवं उनके महा-पिता के साथ उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में आईसीएफएआई विश्वविद्यालय दुधौली के दूसरे दीक्षांत समारोह में उपस्थित होने का अवसर मिलने पर आभार व्यक्त किया। इंजीनियरिंग, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कला, वाणिज्य और कानून के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और शिक्षा प्रदान करने के लिए श्री रमेन डेका ने नए छात्रों को बधाई दी, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और दुष्ट से अपनी वैश्विक क्षमता में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने आगे कहा कि आईसीएफएआई विश्वविद्यालय दुधौली देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक है जो कई वर्षों से शिक्षा के विभिन्न स्तरों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने



के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि संस्थान ने कई कठिनाइयों और चुनौतियों के बावजूद अपनी समर्पण शक्ति को प्राम करने में सफलता हाई है, जिसमें योग्य संसाधन सरल हैं और गुणवत्ता के इंजीनियरिंग विषयों और अन्य पाठ्यक्रमों में 400 से अधिक छात्र-छात्राई नामांकित हैं।

मुख्य अतिथि ने बच्चों के वैश्वीय प्रयासों के संबंध में उनके ज्ञान-पिता के प्रेरणादायक संस्करण के लिए भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि वास्तविक दुनिया में किसी व्यक्ति का प्रदर्शन हमेशा अधिक ज्ञान और संज्ञान का कुशलतापूर्वक उपयोग करने को जल्दी समता पर निर्भर करता है। उन्होंने युवा छात्रों से संस्थान द्वारा प्रदान किए गए

सभी अवसरों का साथ उठने का आग्रह किया और कहा कि सीखना एक अनंत प्रक्रिया है, और जब वे अपने ज्ञान को लागू करते और भागी बनने के लिए संलग्न हैं और हमेशा लगातारक परिवर्तन लाने का अवसर प्राप्त करते हैं तो कोई क्या सीखना है यह महत्वपूर्ण है।

उन्होंने सभी छात्रों से संयम के अध्ययन के लिए आग्रह करते, अपनी क्षमताओं को मजबूत करते और सफलता प्राप्त करने मूल सोच के लिए प्रयास करते का आग्रह किया।

इस अवसर पर आईसीएफएआई विश्वविद्यालय दुधौली ने पीजी, यूजी और डिप्लोमा छात्रों को लगभग 400 डिग्री प्रदान

की, साथ ही विभिन्न विभागों के मेधावी छात्रों को 21 स्वर्ण पदक और 38 रजत पदक प्रदान किए, जिन्होंने वर्ष 2023-24 में स्नातक किया है। अपने संबोधन में कुलपति डॉ. सात प्रकाश दुबे ने सभी सम्पादित गुणवत्ता अतिथियों को उनकी महिमायुगी इच्छाधिति के लिए शार्दिक धन्यवाद दिया। इसके अलावा, उन्होंने स्थापना के बाद से विश्वविद्यालय को प्रगति के बारे में विस्तार से जानकार्य दी। उन्होंने कहा कि छात्रों को धर्मिक को आकाश देने और नवाचारों के साथ राष्ट्र को योग्य करने और परिवर्तन लाने के लिए अतिरिक्त जिम्मेदारियां लौरी बनी हैं क्योंकि वे केवल पूर्व छात्रों का हितवा नहीं हैं बल्कि संस्थान के महासचिवक और राजदूत हैं। विश्वविद्यालय के डॉन अकादमिकस डॉ. के. विश्वेश कुमार ने छात्रों छात्रों को उनके पैकेज और राष्ट्रीय भूमिकाओं के लिए अपनी प्रतिष्ठित डिग्री को बनाए रखने की संवेद प्रकिया लेने को कहा।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के विन्स्टार डॉ. मनीष उपाध्याय ने कार्यक्रम में उपस्थित सम्पन्न गुणवत्ता अतिथियों को धन्यवाद दिया और सभी स्वयं क छात्रों को उनके धर्मिक के प्रयासों के लिए बधाई दी।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मनित किया गया पक्षर छात्रांग के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय ने मनाया अपना दूसरा दीक्षांत समारोह

कुम्हारी (कुबेर भूमि)। आईसीएफएआई विश्वविद्यालय कुम्हारी रायपुर ने शनिवार को रायपुर के होटल बेबीलोन कैपिटल में अपना दूसरा दीक्षांत समारोह मनाया। छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल रमेश डेका कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. डॉ. आर.पी. कौशिक, पूर्व भारतीय राजदूत तुर्कमेनिस्तान, कुलपति प्रो. डॉ. सत्य प्रकाश दुबे, डीन अकादमिक्स डॉ. के. किशोर कुमार एवं रजिस्ट्रार डॉ. मनीष उपाध्याय; आईसीएफएआई विश्वविद्यालय रायपुर के शासी निकाय के सदस्य गणमान्य नागरिक, स्नातक छात्रों एवं उनके माता-पिता के साथ उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में आईसीएफएआई विश्वविद्यालय रायपुर के दूसरे दीक्षांत समारोह में उपस्थित होने का अवसर मिलने पर आभार व्यक्त किया। इंजीनियरिंग, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कला, वाणिज्य और कानून के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और शिक्षा प्रदान करने के लिए श्री रमेश डेका ने नए स्नातकों को बधाई दी, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और दृढ़ता से अपनी शैक्षणिक खोज में सफलता प्राप्त की है उन्होंने आगे कहा कि आईसीएफएआई विश्वविद्यालय रायपुर देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक है जो कई वर्षों से शिक्षा के विभिन्न शाखाओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि संस्थान ने कई कठिनाइयों और चुनौतियों के बावजूद अपनी वर्तमान स्थिति को प्राप्त करने में सफलता पाई है,



जिसमें योग्य संकाय सदस्य हैं और मुख्यधारा के इंजीनियरिंग विषयों और अन्य पाठ्यक्रमों में 400 से अधिक छात्र-छात्राएं नामांकित हैं। मुख्य अतिथि ने बच्चों के शैक्षणिक प्रयासों के संबंध में उनके माता-पिता के प्रेरणादायक समर्थन के लिए भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि वास्तविक दुनिया में किसी व्यक्ति का प्रदर्शन हमेशा अर्जित ज्ञान और कौशल का कुशलतापूर्वक उपयोग करने की उसकी क्षमता पर निर्भर करता है। उन्होंने युवा छात्रों से संस्थान द्वारा प्रदान किए गए सभी अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया और कहा कि सीखना एक अनंत प्रक्रिया है, और जब वे अपने ज्ञान को लागू करने और आगे बढ़ने के लिए योगदान देने और हमेशा रचनात्मक परिवर्तन लाने का अवसर प्राप्त करते हैं तो कोई क्या सोखता है यह महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी स्नातकों से समाज के उत्थान के लिए काम करने, अपनी मान्यताओं को मजबूत करने और सफलता प्राप्त करने मूल शोध के लिए प्रयास करने का आग्रह किया। इस अवसर पर आईसीएफएआई विश्वविद्यालय रायपुर ने पीजी, यूजी और डिप्लोमा छात्रों को लगभग 400 डिग्री प्रदान की, साथ ही विभिन्न विभागों के

मेधावी छात्रों को 21 स्वर्ण पदक और 18 रजत पदक प्रदान किए, जिन्होंने वर्ष 2023-24 में स्नातक किया है। अपने संबोधन में कुलपति डॉ. सत्य प्रकाश दुबे ने सभी सम्मानित गणमान्य अतिथियों को उनकी गरिमामयी उपस्थिति के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। इसके अलावा, उन्होंने स्थापना के बाद से विश्वविद्यालय की प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्नातकों को भविष्य को आकार देने और नवाचारों के साथ राष्ट्र की सेवा करने और परिवर्तन लाने के लिए अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी जाती हैं क्योंकि वे केवल पूर्व छात्रों का हिस्सा नहीं हैं बल्कि संस्थान के मशालवाहक और राजदूत हैं। विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक्स डॉ. के. किशोर कुमार ने उत्तीर्ण छात्रों को उनकी पेशेवर और राष्ट्रीय भूमिकाओं के लिए अपनी प्रतिष्ठित डिग्री को बनाए रखने की गंभीर प्रतिज्ञा लेने की बात कही कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. मनीष उपाध्याय ने कार्यक्रम में उपस्थित समस्त गणमान्य अतिथियों को धन्यवाद दिया और सभी स्नातक छात्रों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए बधाई दी।